DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with 'A' Grade by NAAC
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G.) - 495113
Ph. : 07753-253801 Fax : 07753-253728
e-mail : info@cvru.ac.in, visit us at : www.cvru.ac.in

क्र.488 / कु.स. / सी.व्ही.आर.यू. / 2025

बिलासपुर, दिनांक : 06.02.2025

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :— डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय का माह जनवरी – 2025 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय द्वारा जनवरी – 2025 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

कुलसचिव

Scanned with CamScanner

डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय

करगी रोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– जनवरी – 2025

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय, स्थापना वर्ष नवम्बर 2006,
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी बी. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) बी. टेक. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. टेक. (इलेक्ट्रिकल) बी. टेक. (मेकनिकल) बी. टेक. (सिविल) बी. वोक (वोकेशनल) एम. टेक. (कम्प्यूटर साईंस) एम. टेक. (डिजीटल कम्यूनिकेशन) एम. टेक. (प्रोडक्शन इंजी.) एम. टेक. (पावर सिस्टम) एम. टेक. (साफटवेयर इंजी.) एम. टेक. (वी.एल.एस.आई.) डिप्लोमा (सिविल इंजी.) डिप्लोमा (कम्प्यूटर साईंस) डिप्लोमा (ईई) डिप्लोमा (मेकनिकल इंजी.) फैकल्टीऑफ एजुकेशन एण्ड फिजिकल एजुकेशन बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बी.पी.ई.) मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (एम.पी.ई.) फैकल्टी ऑफ वाणिज्य एवं प्रबंधन बैचलर ऑफ कामर्स (बी. काम.) मास्टर ऑफ कामर्स (एम. काम.) मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी. ए.)

Scanned with CamScanner

		बैचलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बी.बी.ए) पोस्ट ग्रेजुऐट डिप्लोमा इन बिजिनेस मैनेजमेंट (पीजीडीबीएम) फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी पीजीडीसीए (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) एम.एस.सी. (कम्प्यूटर साईंस) एम.एस.सी. (आई. टी.) फैकल्टी ऑफ आर्ट्स बी. ए. (हिन्दी साहित्य, अंग्रेजी साहित्य, संस्कृत साहित्य, छत्तीसगढी भाषा, भूगोल, शिक्षा, राजनीति शास्त, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाज शास्त्र) एम. ए. (हिन्दी साहित्य) एम. ए. (अंग्रेजी साहित्य) एम. ए. (संस्कृत साहित्य) एम. ए. (छत्तीसगढी) एम. ए. (भूगोल) एम. ए. (शिक्षा) एम. ए. (राजनीति शास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) एम. ए. (इतिहास) एम. ए. (समाज शास्त्र) एम. ए. (ग्रामीण प्रौद्योगिकी) बी. लिब. एम. लिब. एम. एस. डब्ल्यू. बी. जे. एम. जे. प्रदर्शन और ललित कला में स्नातक (वादन, गायन एवं वाद्य) प्रदर्शन और ललित कला में स्नातकोत्तर फैकल्टी ऑफ साईंस बी. एस. सी. (भौतिकी, गणित, रसायन शास्त्र, कम्प्यूटर साईंस, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीवविज्ञान) एम. एस. सी. (गणित) एम. एस. सी. (भौतिकी) एम. एस. सी. (प्राणी शास्त्र)

Scanned with CamScanner

		एम. एस. सी. (वनस्पति शास्त्र) एम. एस. सी. (रसायन) एम. एस. सी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान) एम. एस. सी. (जैव प्रौद्योगिकी) एम. एस. सी. (ग्रामीण प्रौद्योगिकी) फैकल्टी ऑफ लॉ बी.ए.एल.एल.बी बी.काम. एल.एल.बी. एल.एल.बी. एल.एल.एम. फैकल्टी ऑफ फार्मेसी बी. फार्मा डी. फार्मा एम. फार्मा शोध पाठ्यक्रम दूरवर्ती शिक्षा के पाठ्यक्रम मास्टर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), बैचेलर ऑफ बिजिनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए), बैचेलर ऑफ कामर्स (बी. काम) बैचेलर ऑफ लाईब्रेरी एण्ड इन्फारमेंसनसाईस (बी. लिब)
03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधाऐं।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध धाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर

Scanned with CamScanner

		एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 16 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षको एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है।
08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है। शैक्षणिक पदों पर संविदा शिक्षकों को नियमित करने एवं रिक्त पदों में नियमित नियुक्ति करने की प्रक्रिया जारी है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम / अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकाद्मिक परिषद् का गठन किया गया है, जिसमें अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। अकाद्मिक परिषद् द्वारा समय–समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन /विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 04–05 दिसंबर 2024 को किया गया है। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विभागों के लिये

Scanned with CamScanner

		भवन, प्रयोगशालाओं का निर्माण एवं उच्चकोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र–छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्चकोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी।	सत्र 2024–25 के शुल्क अनुमोदन माननीय आयोग के द्वारा किया जा चुका हैं।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	अध्यादेशों के अनुसार ही शुल्क लिया जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी के अधिनियम 1956 की धारा (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है एवं समय समय पर किया जाता है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में संचालित वनमाली सृजन पीठ एवं समन्वय साहित्य परिवार द्वारा दिनांक 03 जनवरी 2025 को डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा की 9वीं पुण्यतिथि पर साहित्य विमर्श का आयोजन किया गया था। अंर्तराष्ट्रीय संस्कृत विदुषी आचार्या डॉ. पुष्पा दीक्षित के द्वारा बताया गया कि अच्छी सोच के लिए अच्छा साहित्य पढ़ना अत्यंत आवश्यक है। मनुष्य को

Scanned with CamScanner

		मनुष्य बनाने वाली विधा साहित्य है। ऐसे ही साहित्य के रचनाकार डॉ. शर्मा की रचनाएं प्रासंगिक है। रचनाओं को पढकर छत्तीसगढ़ व भारत को जान सकते है। मुख्य वक्ता डॉ. अजय पाठक जी द्वारा कहा गया कि डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा छत्तीसगढी के आचार्य रामचंद शुक्ल थे। उन्होंने एक ओर अपने लेखन से हिंदी साहित्य को समृद्ध किया, वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य में विपुल लेखन किया। इस दृष्टि से वे छत्तीसगढ़ के सव्यवसायी लेखक थे। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में डिजाईन एंड डेवलपमेंट ऑफ सेल्फ लर्निंग मटेरियल एंड मुक्स का ओडीएल एजुकेशन (Design and Development of Self-Learning Materials & MOOC s for ODL Education) विषय पर दिनांक 04 जनवरी 2025 से 08 जनवरी 2025 तक 5 दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। वर्कशाप Centre for Internal Quality Assurance (CIQA) और Centre for Distnace & Online Education (CDOE) द्वारा आयोजित किया गया था। विश्वविद्यालय में सेल्फ लर्निंग मटेरियल (एसएलएम) को तैयार करने लिए 5 दिनों तक विश्वविद्यालय में देशभर के विषय विशेषज्ञों के द्वारा विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें रविंद्र नाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल की प्रो. पूजा चतुर्वेदी, उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय के डॉ. आशुतोष भट्ट, उत्तराखंड ओपन विश्वविद्यालय के डॉ. सुमित प्रसाद, पंडित सुंदरलाल शर्मा

Scanned with CamScanner

		मुक्त विश्वविद्यालय के मैनेजमेंट विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पुष्कर दुबे, विश्वविद्यानलय के डॉ. अभिषेक पाठक, डॉ. राकेश कुमार यादव एवं डॉ. सतीश साहू जी द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। – डॉ. सी. व्ही. रमन् विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 12 जनवरी 2025 को स्वामी विवेकानंद जयंती पर विवेकानंद उद्यान में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय के प्राध्यापक शामिल हुये एवं स्वामी विवेकानंद जी की मूर्ति में माल्यार्पण कर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को अपनी जीवन में उतारने का संकल्प लिया एवं एनएसएस ईकाई के विद्यार्थियों ने उनके जीवन के प्रेरणादायी लेख का पाठ किया। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के सभी संकाय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को दिनांक 13 जनवरी 2025 को शैक्षणिक भ्रमण के लिए चैतुरगढ़, पाली, कोरबा ले जाया गया था। भ्रमण जीवन की व्यवहारिक शिक्षा है तथा कोई भी शिक्षा तब तक अधूरी है जब तक उसे जीवंत रूप में न जिया जाए। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों को शैक्षिक भ्रमण पर ले जाया गया था। यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित स्मारक है। चैतुरगढ़ छत्तीसगढ़ के 36 किलों में से एक है। चैतुरगढ़ देवी महिषासुर मर्दिनी के ऐतिहासिक मंदिर के लिए भी प्रसिद्ध है। चैतुरगढ़ (जिसे लाफागढ़ के नाम से भी जाना जाता है) एक पहाड़ी की चोटी पर 3,060 फीट

Scanned with CamScanner

(930 मीटर) की ऊंचाई पर स्थित है। यह मजबूत प्राकृतिक दीवारों से सुरक्षित है और इसे सबसे मजबूत प्राकृतिक किलों में से एक माना जाता है। किले के तीन मुख्य प्रवेश द्वार हैं जिन्हें मेनका, हुमकारा और सिंहद्वार नाम दिया गया है।

- डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में 15 जनवरी 2025 को भारतीय सेना दिवस मनाया गया। यह दिन भारत के लिए बेहद खास है, इस दिन को हर साल भारतीय सेना दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन उन सैनिकों के सम्मान का प्रतीक है जो हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं और देश के गौरव को बनाए रखते हैं। 2025 में 77वां सेना दिवस मनाया गया। यह दिन भारतीय सेना की वीरता, शौर्य और उनके बलिदानों को याद करने का समय है।

- विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनॉक 17 जनवरी 2025 को डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भारत सरकार के सहयोग से सीवीआरयू आईटीबीआई (इन्क्यूबेशन एंड टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर) में उद्यमिता दिवस के अवसर पर "उद्यम उत्सव" मनाया गया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों और भावी उद्यमियों को उद्यमिता की जानकारी देना और उनके स्टार्टअप विचारों को साकार रूप में बदलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना था। मुख्य अतिथि के रूप में नगर निगम बिलासपुर के कमिश्नर श्री अमित कुमार (आईएएस) ने

Scanned with CamScanner

		उद्यमिता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत में बड़े विचारों को समर्थन देने का यह सर्वोत्तम समय है। उन्होंने कहा कि नगर निगम और स्मार्ट सिटी बिलासपुर विश्वविद्यालय के साथ मिलकर शहर की समस्याओं पर कार्य करने के लिए तैयार हैं। इंजीनियरिंग विभाग के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार तिवारी ने इस इन्क्यूबेशन सेंटर को एक ऐसा स्थान बताया, जहां समस्याओं का समाधान और नए व्यापार विचारों को साकार किया जा सकता है। डॉ. विवेक पांडे ने उद्यमिता को रोजगार सृजन के लिए महत्वपूर्ण बताया। इस कार्यक्रम में जीवनदीप और सुमित फाउंडेशन के संस्थापक रविंद्र सिंह खत्री और एरिके मोटर के संचालक अर्पित चौहान ने अपने उद्यमिता अनुभव साझा किए और छात्रों को प्रेरित किया। इसके अलावा, सीवीआरयू आईटीबीआई, जो छत्तीसगढ़ राज्य का पहला केंद्र है जिन्होंने स्टार्टअप्स को उच्च प्रौद्योगिकी का समर्थन और मार्गदर्शन देने की पहल की है। यह सेंटर नवाचार को बढ़ावा देने और सतत विकास को प्रेरित करने का कार्य कर रहा है। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के प्राध्यापक, विद्यार्थी और अंचल के युवा उद्यमी उपस्थित थे। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन दिनांक 19 जनवरी 2025 को करगी रोड कोटा के ग्राम पंचायत बहेरामुड़ा में किया गया था। यहां पर विश्वविद्यालय के गोद ग्राम (पंडाकापा, अमने, टाड़ा एवं जोगीपुर) एवं आसपास

Scanned with CamScanner

		के लगभग 800 से ज्यादा लोगों ने पंजीयन करवाया एवं लाभ लिया। डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में शुगर, ब्लड प्रेशर, ब्लड की जांच आदि जांच शिविर का आयोजन फार्मेसी, एनएसएस, एनसीसी एवं आईक्यूएसी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय उन्नत भारत अभियान के तहत गोद ग्रामों के निवासियों की जांच की गई। साथ ही लोगों को जरूरी संदेश, अपनी दिनचर्या व्यवस्थित करने और खान–पान के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी जी द्वारा दिनांक 20 जनवरी 2025 को मायएफएम 94.3 में "रंगरेज" कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने रंगरेज पोस्टर का विमोचन किया, उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं संदेश देते हुए कहा कि, इस बार की थीम "विकसित भारत" तय की गई है। सभी प्रतिभागी "विकसित भारत" की एक ऐसी बुनियाद पेंटिंग सबके सामने लाएं, जिससे हम विकसित भारत के सपने को साकार कर सकें। – विश्वविद्यालय के कुलाधिपति माननीय श्री संतोष चौबे जी द्वारा 50 देशों में अंर्तराष्ट्रीय हिन्दी ओलम्पियाड होने की घोषणा की गई। भारतीय कला, साहित्य और संस्कृति के साथ–साथ हिंदी भाषा ने संपूर्ण विश्व में लोकप्रियता के नये आयाम गढ़े है। विदेशों में भारतीय कला, साहित्य, संस्कृति और ऐतिहासि विरासत को

Scanned with CamScanner

			जानने तथा इसके लिए हिंदी भाषा सीखने वालों की संख्या काफी बढ़ी है। इसी तरह भारत के अहिंदी भाषी राज्यों खासकर उत्तर पूर्वी एवं दक्षिण के राज्यों में भी हिंदी सीखने वालों की मांग भी बहुत बढ़ी है। भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा शिक्षण को कौशल के रूप में रेखांकित किया गया है एवं वैश्विक स्तर पर साहित्य, कला और संस्कृति के लिए समर्पित 'विश्व रंग' महोत्सव ने अपने छः संस्करणों में हिंदी, भारतीय भाषाओं और स्थानीय बोलियों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में वैश्विक नई जमीन तैयार की है, उक्त विचार विश्व रंग के निदेशक एवं डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे जी ने विश्व रंग अंर्तराष्ट्रीय हिंदी ओलंम्पियाड–2025 के लिए आयोजित दो दिवसीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा।
		–	डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अरविंद कुमार तिवारी को दिनांक 21 जनवरी 2025 को विस्तार मीडिया ग्रुप के द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर "बिलासपुर की उड़ान अरपा विस्तार सम्मान" विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने एवं इनकी अवसर एवं चुनौतियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर डॉ. अरविंद कुमार तिवारी जी को मीडिया ग्रुप द्वारा सम्मानित भी किया गया है। यह सम्मान उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव द्वारा प्रदान किया गया।

Scanned with CamScanner

		– विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में "जेंडर समावेशी संचार" विषय पर 23 जनवरी 2025 से 25 जनवरी 2025 तक तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन आंतरिक शिकायत समिति, शिकायत निवारण समिति एवं आइक्यूएसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। आयोजन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के निर्देश पर नेशनल जेंडर एंड चाइल्ड सेंटर लाल बहादुर शास्त्री प्रशासनिक अकादमी उत्तराखंड के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के फॉर्मर जज राजेंद्र चंद्र सिंह ने अपना उद्बोधन देते हुए बताया कि स्त्री और पुरुष एक दूसरे के पूरक हैं, ऐसे में कोई ताकतवर कोई कमजोर कैसे हो सकता है शास्त्रों में स्त्री को शक्तिशाली बनाया गया है, इसके कई उदाहरण हमारे सामने हैं, शक्ति के लिए देवी की आराधना बताई गई है। इसी तरह नारी को जन्मभूमि और स्वर्ग से भी ऊंचा बताया गया है। उन्होंने कहा कि जहां महिलाओं को मान सम्मान मिलता है वहां देवताओं का वास होता है। मानवता को जीवित रखने में सबसे बड़ा योगदान स्त्री का है। बच्चों का जन्म, उन्हें संस्कार देना, उन्हें योग्य बनाना और देश और समाज के विकास में भी वह बराबर की भागीदार होकर कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। इस अवसर पर उपस्थित एडिशनल एसपी अर्चना झा ने कहा कि देश में अनेक कानून महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के लिए बनाए गए हैं,

Scanned with CamScanner

		सबसे ज्यादा जरूरत उसे समझाने की है। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं को कुछ विशेष बातें ध्यान रखने की जरूरत है। जिसमें रेडी टू रिएक्ट, फिजिकली फिट, शिक्षा, मानसिक फिट और सबसे अधिक महत्वपूर्ण आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने की है। यदि महिलाओं के अंदर यह गुण हो तो वह हर कठिन परिस्थितियों में संघर्ष करके अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकती हैं। मुख्य वक्ता सौरभ करियर अकेडमी एवं दिल्ली आईएएस के डायरेक्टर सौरभ चतुर्वेदी ने कहा वर्तमान समय में हमें जब जरूरत होती है तो हम महिलाओं को देवी बना देते हैं और जब दूसरी जरूरत होती है तो हम दासी बना देते हैं। लेकिन हमें उन्हें देवी और दासी नहीं बल्कि नारी मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समानता का अर्थ वर्तमान में घूमना, फिरना, नशा और दूसरे अर्थों में लिया जाता है, जो नहीं होना चाहिए।
		– विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 25. 01.2025 को परामर्श और प्रेरक कौशल पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डॉ. शिवनारायण एवं डॉ. कविता उपस्थित रहीं। अतिथियों ने अपने व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरक कौशल के विषय से संबंधित विशेष जानकारी दी। इस व्याख्यान का उददेश्य छात्रों को उनके व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विकास में सहायता के लिए आवश्यक परामर्श और प्रेरक कौशल से लैस

Scanned with CamScanner

		करना था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थें। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनांक 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर हर्षोउल्लास के साथ ध्वजारोहण किया गया। विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुती दी गई। एनसीसी कैडेट्स ने परेड कर सलामी दी। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया गया। – विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनॉक 27.01.2025 को पाठ्यक्रम निर्माण के कौशल पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में डॉ. धीरेन्द्र कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग, गुरूघासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालयए बिलासपुर उपस्थित रहें। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रभावी पाठ्यक्रम को डिजाइन करने और विकसित करने के लिए छात्रों को आवश्यक कौशल से लैस करना था। डॉ. सिंह की व्यवहारिक प्रस्तुति में पाठ्यक्रम निर्माण के प्रमुख पहलुओं को सम्मिलित किया गया, जिनमें पाठ्यक्रम डिजाइन सिद्धांत पाठ्यक्रम कार्यान्वयन और मूल्यांकन के लिए कौशल सत्र इंटरैक्टिक था, जिसमें सभी छात्र–छात्राएं चर्चा में शामिल हुए और पाठ्यक्रम निर्माण में मूल्यवान अंतदृष्टि प्राप्त की। व्याख्यान को खुब सराहा गया और

Scanned with CamScanner

		छात्र–छात्राओं ने डॉ. सिंह के विशेषज्ञता और मार्गदर्शन की सराहना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थें। – विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनॉक 28 जनवरी 2025 को कला संकाय के अंतर्गत संचालित सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान में उषा देवी मेमोरियल कॉलेज सकरी बिलासपुर के प्राचार्य प्रोफेसर सुलक्षणा वासनिक द्वारा भूवैज्ञानिक समय सारणी विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया गया। अतिथि व्याख्यान में कला संकाय अध्यक्ष प्रो. वेद प्रकाश मिश्रा, विभागाध्यक्ष प्रो. काजल मोइत्रा, प्रो. ऋचा यादव और डॉ. रत्नेश खन्ना सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थें। – विकसित भारत @ 2047 एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में दिनॉक 29 जनवरी 2025 को कला संकाय के सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान में अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के समन्वयक एवं सहायक प्राध्यापक (भूगोल), डॉ. मनोज कुमार सिन्हा द्वारा विकसित भारत में युवाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष डॉ. काजल मोईत्रा एवं आभार प्रदर्शन डॉ.रामरतन साहू द्वारा किया गया स कार्यक्रम का संचालन डॉ.

Scanned with CamScanner

		ऋचा यादव ने किया। इस कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापकगण और विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थी उपस्थित रहे। – छत्तीसगढ़ कला, संस्कृति, साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में स्थापित किए गये छत्तीसगढ़ी संजोही, भारतीय ज्ञान परंपरा केन्द्र, छत्तीसगढ़ी लोककला एवं संस्कृति केन्द्र, छत्तीसगढ़ शोध एवं सृजन पीठ का छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति कल्याण विभाग, रायपुर के अधिकारियों द्वारा दिनांक 29 दिसंबर 2025 को भ्रमण किया गया। यह भ्रमण छत्तीसगढ़ आदिम जाति कल्याण विभाग के सचिव माननीय श्री सोनमणि बोरा जी (आईएएस) के निर्देश पर किया गया था। इस अवलोकन और अनुभव के आधार पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा रायपुर में ऐतिहासिक धरोहर एवं संग्रहालय की स्थापना की जा रही है। – बिलासपुर शहर की वरिष्ठ नागरिकों के द्वारा डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय का भ्रमण दिनांक 29 जनवरी 2025 को किया गया। इस दौरान उन्होंने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था तकनीक, विश्वविद्यालय में स्थापित उत्कृष्टता केन्द्र को जाना और समझा उन्होंने विद्यार्थियों से भी बातें की एवं अपने जीवन के अनुभव भी साझा किए, जिसमें वरिष्ठ चिकित्सक, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, अधिवक्ता, इंजीनियर, समाज सेवक, साहित्यकार और शिक्षा जगत से जुड़े प्रख्यात लोग शामिल थे। – डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय में

Scanned with CamScanner

"शिक्षा से आत्मनिर्भर भारत" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अतिथि वक्ता के रूप में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सुरेश गुप्ता एवं शिक्षा एवं संस्कृति उत्थान न्यास के क्षेत्रीय संयोजक ओम शर्मा जी ने अपनी बात रखी। यह आयोजन डॉ. सी. व्ही. रमन विश्वविद्यालय एवं शिक्षा एवं संस्कृति उत्थान न्यास छत्तीसगढ़ प्रांत के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय संयोजक ओम शर्मा ने कहा कि कौशल से शिक्षा को जोड़ना ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य है, इसलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कौशल को विशेष स्थान दिया गया है और इस दिशा में पूरे भारतवर्ष में काम किया जा रहा है. उन्होंने 7, 8, 9 फरवरी को आयोजित होने वाले ज्ञान महाकुंभ के बारे में सभी को जानकारी दी और उन्हें आमंत्रित भी किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शिक्षा संस्कृति उद्यान सुरेश गुप्ता जी ने कहा कि सबसे बड़े मैनेजमेंट के गुरु हनुमान जी थे। इसी तरह सबसे बड़े पॉलिटिशियन श्री कृष्ण माने जाते हैं। सबसे बड़े इंजीनियर राजा नल और राजा नील माने जाते हैं, हमें बस यही काम करना है, भारत के पारंपरिक ज्ञान को बाहर लाकर खड़ा करना है, और राष्ट्रीय शिक्षा नीति में यह कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पढ़ने की पद्धति बदलने की जरूरत है, और भारतीय पारंपरिक ज्ञान को बढ़ावा देना ही उद्देश्य है। इस अवसर पर दोनों अतिथि वक्ताओं ने विश्वविद्यालय में स्थापित भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र,

Scanned with CamScanner

		छत्तीसगढ़ी लोककला एवं संस्कृति केंद्र, इनक्यूबेशन सेंटर, ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग एवं प्रधानमंत्री कौशल विकास केंद्र का भ्रमण भी किया गया। – उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक में माननीय कुलपति एवं कुलसचिव महोदय दिनांक 29 जनवरी 2025 एवं 30 जनवरी 2025 को उच्च शिक्षा विभाग द्वारा दिए गए ऐजेंडा वार जानकारी के साथ शामिल हुए। – सत्र 2024–25 में शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकादमिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	

कुलसचिव

Scanned with CamScanner